>

Title: Need to accord approval to Railways for laying water pipes beneath the railway track to address the problem of potable water at different places in Gujarat.

श्री नारनभाई कछाड़िया : सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि ज़ीरो ऑवर अगर न हो तो हाउस में कोरम का अभाव हो जाए। जितने भी यहां सांसद बैठे हैं वे शून्य काल में बोलने वाले हैं और दोपहर 12 बजे से बैठे हैं कि कब शून्य काल हो और वे अपनी बात कह सकें। हम लोग अपने क्षेत्र की समस्याओं को यहां इस शून्य काल के माध्यम से उठाते हैं।

सभापति महोदय: ज़ीरो ऑवर की महता काफी है।

...(<u>व्यवधान</u>)

MR. CHAIRMAN: Please sit down. You should not unnecessary waste the time of the House.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): सभापति महोदय, गुजरात में रेल मंत्रालय द्वारा हो रहे व्यवधान के कारण गुजरात सरकार को और जनता को काफी परेशानी हो रही है। आज गुजरात में पानी की समस्या व्याप्त है, वह भी रेल विभाग के माध्यम से। वहां के कई गांव और शहरों में शुद्ध पीने के पानी का अभाव है, जिस कारण लोग परेशान हैं।

गुजरात सरकार इस भीषण समस्या को समाप्त करने के लिए, वहां के जल संसाधन विभाग के माध्यम से पूरे जोर-शोर से गुजरात में काम कर रही है और लोगों को शुद्ध पानी पिलाने के लिए तकलीफें उठा रही है, पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं और वाटर ग्रिड का आयोजन किया जा रहा है ताकि लोगों को शुद्ध पीने का पानी मिले।

सभापति जी, गुजरात में बहुत सी ऐसी जगह हैं जहां पानी का पाइप बिछाने के लिए रेलवे परमिशन की आवश्यकता है और वहां पानी की पाइप लाइन रेलवे की पटरी के नीचे से गुजारनी पड़ेगी, तभी उस गांव में पानी जा पायेगा।

सभापति जी, गुजरात के जल संसाधन विभाग की तरफ से दो साल से पूरे दस्तावेज एवं उसकी फीस के साथ पेपर रेलवे को पेपर्स रेलवे को सब्मिट कर दिये गये हैं और गुजरात सरकार ने उसकी मंजूरी के लिए कई बार रेलवे को पत्र भी लिखा है लेकिन रेलवे विभाग से कोई ठोस हल नहीं निकल पा रहा है।

सभापति जी, पानी ऐसी चीज है जो किसी भी जीव को जीने के आवश्यक है और अभी गर्मी का समय आ रहा है और इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र जूनागढ़, अमरेली, जामनगर, राजकोट, आनंद तथा भाल प्रदेश हैं, जहां पानी की किल्लत सबसे ज्यादा होती है। यहां रेलवे मंत्रालय को मदद करनी चाहिए लेकिन वह मदद की जगह व्यवधान पैदा कर रही है जो बिल्कुल निरर्थक है। जबकि गुजरात सरकार ने इस मामले को लेकर 10 से ज्यादा बार रेलवे मंत्रालय और उनके मंत्री को चिट्ठी लिखी है, फिर भी अपने ही देश में पानी की मंजूरी के लिए इतनी परेशानी उठानी पड़ रही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी से बहुत ही सहिष्णुतापूर्वक आग्रह करना चाहूंगा कि चले आ रहे इस लंबित वाटर-पाइप लाइन के मामले को जल्द से जल्द यानी गर्मी आने से पहले बिछाने की मंजूरी प्रदान करने की कृपा करें, ताकि वहां की पब्लिक को पीने का शुद्ध पानी मिले। आज पूरे सदन में सभी सांसदों को जो सबसे ज्यादा प्रश्न परेशान करता है, वह रेलवे और फॉरेस्ट का है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि कानूनन और नियमों के आधार पर इन प्रश्नों को हल करने का निर्णय लेना चाहिए, तभी लोगों की सुविधाओं का राज्य सरकारें ध्यान रखकर काम कर सकेंगी। धन्यवाद।